

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळे.

—हस्त

ग्रथ क्रमांक

ग्रथ नम्बर

अंथ संग्रह :—

१८७० (१५५)

गाढिवाड.

विषय मराठी काव्य.



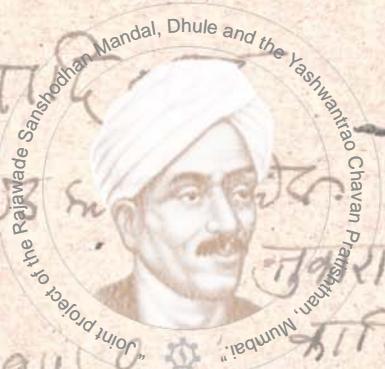
५.८.७१

✓

मराठी

१० फेट

अनंगारा



"Joint Project of the Ranade Sansodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Prakashan, Mumbai,"

२३४६. सावता, शहदराम,
कारिताप, कलाकृति,

२३४७

(1)

ओमंग राजकीयाधीरप्य

॥ क्रान्तिसाधूवोऽखावा देवतथे

॥ चीजाणावा द्या दयाकरणेषुत्रा

॥ सि ॥ तेविदासाभाणीदासी ९ मुळ

॥ सबाधनवानित तेससज्जमाने

॥ चीत् ॥ साहंकीर्ती ॥

॥ तेवीभवन्त ॥ तेवी

॥ साक्ष ॥ ६७

॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥

॥ मात्रवत्पर्दारामपरद्यनिलोद्धव

॥ द्व ॥ अमवत्सवेत्तनानि । यःयर

॥ तस्पद्वनि ॥ उत्तरं

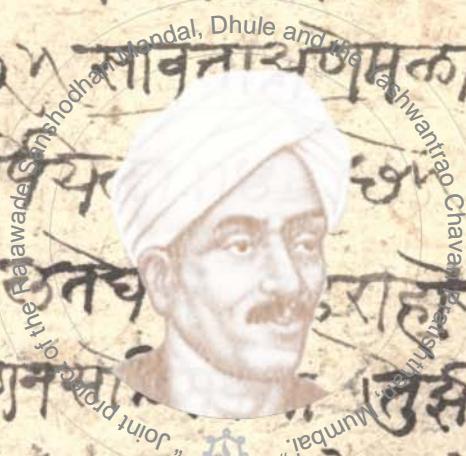


Joint Project of the Shishodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratinidhi
Number ८७

(2)

उम्रा

अवगाधदीयलागला मक्काभवद्य
 कुट्टेजलि ॥१॥ कांदहरिमुकाहरि
 जीकडपोहतीकडहरि ॥२॥ सीरच्याबा
 ॥३॥ कोतिंविरि आवधाव्याप्लावी
 हरि ॥४॥ नावनाच्यामला ॥ कुट्टे
 सीजापिय
 ॥५॥ जेघउत्तप
 ॥६॥ वरणभार
 ॥७॥ रिनाथ २ छातपस्तोतासंतागम ॥
 ॥८॥ आगीभरनीद्याविश्रेष्ठ ३ छुक्काभय
 ॥९॥ केशवराजा केकानेमतालविश्वा
 ॥१॥ ज्ञा ४७॥



"Joint Project of the Pejawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Ashwani RAO Chavandien Shriji, Mumbai."

(3)

चम्पां वियाचीनिसता
 शेवासंनाचिकरावियाचीनिसता
 नेहांवि पाच्यदागणगाकाटि
 यालाढावीमेळावैपुट्रा१॥ साचा
 ठावशेणपुसेयालगडाकोमेळो
 जममरणतसोऽयतुकाळणेज
 अमरण ते ठालपुस्तनष्ठ

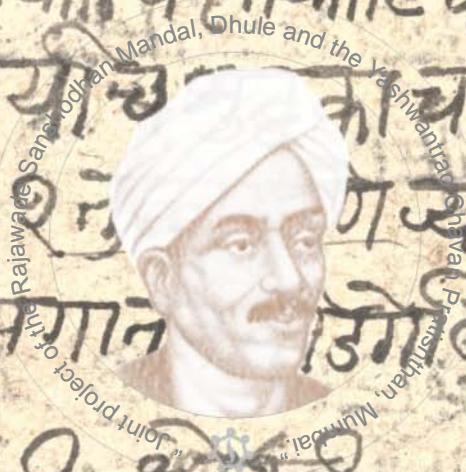
५४५५
 मातीनाळापि... नालवेघुस
 होदरः। अर्थनाह्नमहेनास्तिसा
 जामनजामता१७

या॥ पा॥ धै॥ धै॥ धै॥
 अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥



Portrait of the Rajjawade Sanshodhan Mandal, Dhule and his nephew Rao Chavan Pratishtha Mandir, Amboli.

कर्कोकेमार्गिधरेतेहोकीतेष्टकासाग
 नसेसथजैसतैसि ॥ पाचलश्वध
 देपाषणीचंद्रेषाखानवराक्षुवेळ
 स्वाविटकाच ॥ केटिधरेजेथेक
 रांतीबयाच - कायनीचस
 धकेट ॥ गच्छाचपना
 यवीटुसगान डोल्यनाहि



५९ ६० चक्र
 देविदेवप्रयक्षजाणजसुनाकेणिचन
 जाणेलयात्क्लासारुनिहितिपाणपु

६१ ६२ चक्र

"Joint Project of the Rajawade Sanskruth Mandal, Dhule and the Yashwant Rao College of Vedic Studies, Dhule", "Digitized by srujanika@gmail.com"

(5)

परं

- ०॥ सोडेसों राचिअसधीरप्रलिंचहायास ॥
- ॥ दुखमुक्तहा ससारतपामध्येभक्ति सारगथ
- ॥ पाहुतालक्ष्मकाटजेयेतेयेभक्ति मोटि
- ॥ जलमाडलेयावेष्टकहासद्गणेहसफळ

गुजराती
 गविनारादेवनोसायस
 राप्त्वाहिनाचासा
 अशनर्थाचार्थक्षुर्सातिअचासातिआ
 काबापाकफूनेविवाटधीरिमार्गनिट्पंडिरि
 चरपउरिसिजावेसर्वसुखद्यवरूप
 नेपाहवेविटेवर्हिविटेवरिनिटअनदा
 चाकेदंबुकानाचेछंदनामधोष

४५ ४५ १२१





3-11-155

(५४)

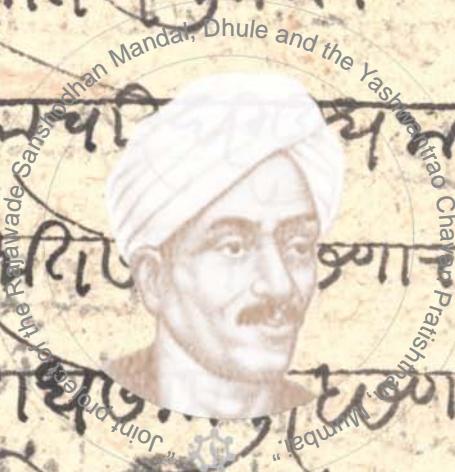
अमग्नश्रीगणेशायनम्

१। सर्वसोउनियाद्याबेनासवीटोबाचे
 ०॥ ध्यंवे ५७ महिषेनीलं च जयमिसा
 ०॥ चिपुरवीक्षिणा हाणिं प अज्ञीनकाणा
 ०॥ कौणिपानाद्यात्मीनीविंला
 ०॥ अणाग्रं केल तातुका
 ०॥ अपेनेटिदं

०॥ सर्ववैनवर गणेशात्रजेपा
 ०॥ हावे ५७॥ माग्नेयामधोकरि॥
 ०॥ सदावतेऽलोनेथरि॥३॥ रुसेकडीघ
 ०॥ उदेवा॥ गीतायेइल आनुभवा॥२
 ०॥ हलोतुकगच्छेजीवहनगीताभागवतनी
 ॥ धान॥३॥५७॥८॥



the Rajavade Sankodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Prachin Sanskriti Manan, Mumbai "Joint Project"

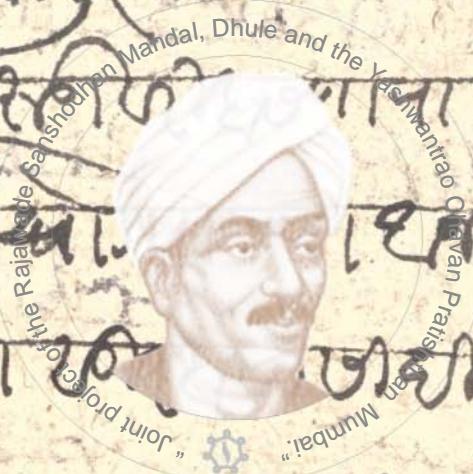


The Ratiavade Sansodhan Mandal, Dhule and the Yashoda Chavda Pratishthan, Mumbai, "Joint project of the Ratiavade Sansodhan Mandal, Dhule and the Yashoda Chavda Pratishthan, Mumbai,"

(6)

—६८—

द्विरुद्ध अवश्यकात् प्रणाना लोकान्
द्वयात् रुद्रुण रेष्य स्त्रियुषां
नववारा रात् फुलाहाह क्षमतां
जीवितावधि
उत्तमात् द्वया
पारानाथ्युषां
स्त्रियो रुद्रा गणवया
स्त्रियो फुलाहा लोकान्
रुद्रात् प्रमाणदायी यजम
रुद्रात् विद्युत्प्राप्ति



Joint Project of the Rajabai College of the Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishikshan Mandal, Mumbai.

दृष्टि अहम् इति प्रसाठ उपारा ॥
निरीक्षा करु देवणारा इति
शिवारा देवगी उपर्युक्तारा ॥
लोकविकासादा ॥ उपारा ॥
देवगी उपर्युक्तारा ॥
दृष्टि अहम् इति प्रसाठ उपारा ॥
निरीक्षा करु देवणारा इति
शिवारा देवगी उपर्युक्तारा ॥
लोकविकासादा ॥ उपारा ॥
दृष्टि अहम् इति प्रसाठ उपारा ॥
निरीक्षा करु देवणारा इति
शिवारा देवगी उपर्युक्तारा ॥
लोकविकासादा ॥ उपारा ॥



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Patrikhan Mumbai."

पद

॥ यर्द्येऽवैश्विरंगेमाइजंतरगे ॥ वहणाक
॥ ल्होकेनीजसरिवेयनीषुरजालिसकाखा ॥
॥ यर्द्येवा ॥ प्या रविवारीविणजेशी ॥ दिन
॥ रञ्जनी ॥ द्वाभानपेवमाय ॥ वत्तुनिधन
॥ बिंदू ॥ शिरसि सनातकेकवी घोयासी
॥ नाजे कन्हाही ॥ हर्द्यभिमधुसे
॥ विलकाशाही ॥ एव ॥ मजुस
॥ रिक्यु उपाय ॥ य ॥ रा ॥ कंठीह
॥ क्षमणी ॥ नविराजुकुगनवंसेभाल्ली ॥
॥ यविवधुसर्वे ॥ श्रुंगारलेउनिकाय
॥ जाळी ॥ मंगळदायकेते ॥ अतिहरये
॥ भिरवेजेसीबाष्ठी ॥ तेसेजुजीविणवो ॥
॥ मजविधम्मेकलिहलंकपाष्ठी ॥



Portrait of the sage Rishabhdev, also known as Bhajawade Saakashdan Mandal, Dhule and the Yasawantrao Chawan Publishing Mandir, Mumbai.

॥२॥ करणी परिसोनी ॥ चिद्रुगनीवा
 ॥ लेमंजुष्वाणी ॥ सखंयसावधरेसा
 ॥ वधेरकार करिशीहोवद ॥ संतोय
 ॥ अजनगी विलुसलसेतु जमजकेत्ता
 ॥ १५६ ॥ वियागधुंगता ॥ रंगवा उ
 ॥ वधानी जान चरेसहजुसु
 ॥ रवे ॥ चिद्रुग वन्देसाजि
 ॥ वनी ॥ ३१५ ॥ ४७ ॥ ४७



॥ मृगवरि मृगनाभिनेगतासे
 ॥ रधावेतडपरोनिभाग्येजाप
 ॥ तासठस्थिरावे ॥ गुतीतसीम
 ॥ जडाहालिकएलोसाधने

(11)

॥ गा॥ सहजचिनि जरु पे जा
॥ णतारस्ती सु रावे॥ १॥ श्री ॥
॥ आपण येक साधु जाहालें॥ येरी
॥ कोणवाधारे॥ कोठे विचार ब्रंझ
॥ ला अदधा तवकाला ॥
॥ माया न्मुक्तु जे कृष्ण
॥ बंझ होइ ॥ दिउ घडा ॥
॥ ज्ञाने श्वरा॥ १९॥

Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Vashwadeo Chavhan Pratishiksha Mandal, Mumbai.

(12)

॥ ग्रांतं विहाय भोक्तं व्यं स हं खं स्ना
 ॥ न माच्चरेत् ॥ लक्षं विहाय दातव्यं को
 ॥ इं स्यक्ता लरी भजेत् ॥ १॥

पद

॥ आपुली पावल ॥ विजयना ॥
 ॥ सरवाकुर्वा ॥ पार्छी ॥
 ॥ साकुरिये ॥ वरदमा ॥
 ॥ झुझुपापा ॥ लविताधणी ॥
 ॥ वगाला वी कायभ्यापामारे लो ॥
 ॥ लवितरे परिसाविच्छाभसेवेण
 ॥ विलेनुकास्त्रेण शाचेको न ज्ञानोक
 ॥ ईकागवीपा मुलौपायापानी ॥



"Joint Project of the Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratinidhi Library, Mumbai" | "Project No. 100" | "Digitized by srujanika@gmail.com"

(13)

प्रसाद

।। सिंजनक टड़ानी ये चाक्या रो कालरने
 ॥ मनन करनी दृश्ये तके रो आदराने
 ॥ इलंबु कधडु सु वालो पा वृत्ती आमा।
 ॥ कारे हुण नवचमा इ इ आयकारे



चैत्र
 अमरा
 संग्रहालय
 राजावाडा
 संग्रहालय
 धुले
 यशवंतराव चावणी
 प्राप्ति संस्था
 मुंबई

Joint Project of the Rajawade Sangrahalay Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan Mumbai."

प्रसाद
 अमरा
 संग्रहालय
 राजावाडा
 संग्रहालय
 धुले
 यशवंतराव चावणी
 प्राप्ति संस्था
 मुंबई

गोप्यकृष्ण



(4)

The Rajawade Sangathan Mandal, Phule and the Yashwantrao Chavhan Patriotic
Movement of Nimbali



Chavhan
Nimbali
Yashwantrao
Phule

॥ भीगणेशार्द्धनमः ॥ अधराकुन्दं वंकी॥ उत्तमानु
 त्तवं तज्ज्ञां वंत्रपूर्णं प्रयत्नतः ॥ तथेव पूजनोदा
 व द्वृद्गणेशो वृषभस्तु मानरः ॥ १ ॥ पश्चिमायातधा
 मस्तिन् तत्कलं प्राप्तेषु भं ॥ २ ॥ सधवेन धनला
 भं च ॥ ३ ॥ स्तीतायादुःखमेव च ॥ ४ ॥ लक्ष्मणेश
 यस्तिप्रिंय ॥ ५ ॥ वाक्येचमरण भ्रवंस्यान् ॥ ६ ॥
 हनुमंतसंपदं चेष्टा ॥ ७ ॥ ताराद्वाक्यविनाशनं ॥
 ॥ ८ ॥ लुग्रीवहर्ज्य
 तितं भवेद् ॥ ९ ॥
 ॥ १० ॥ शूर्पनक्षीव
 शशासंप्राप्ति ॥ ११ ॥
 देवं इश्वर्यभोगं च ॥ १२ ॥ नारदं कलहं तथाच
 ॥ १३ ॥ भरथेन राज्य संप्राप्तिः ॥ १४ ॥ विश्वा
 मिन्नकलहप्रदा ॥ १५ ॥

Digitized by Sambodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai.

रामचंद्र	स्तीता	लक्ष्मण	वाक्य
लक्ष्मण	ताराद्व	लुग्रीव	जटामुट
विश्वामिन्न	शूर्पनक्षी	अंगद	रावण
देव	नारद	भरथ	विश्वामिन्न

(16) उग्रेजलेसमंत्रधारावा
॥ समुद्रसमुद्रसामसातैसमुद्रसमुद्रमेभा
॥ शाकियायेव्यालगायीयेव्यक्तिकालीगाय
॥ छालजावेजालीराहोभृषि ॥ यक्षपक्षपक्ष
॥ णोइराष्ट्रभोमूष्यकः मुकः ॥ कमी गटपते
॥ गानांभासेवोघोविभायणः ॥ ५६ ॥ किं
भरतीलउग्रेजवेहोनीलयससंरामन
॥ ५७ ॥ टेयंत्रगोरन् भाजपत्रोल्लिहुडे
हातिकोंग चेस्त्रामीलसं
हुभवद
॥ ५८ ॥
"उयंत्रजप्तगंधेलेहोनठेविजस्त्रीवजा
॥ ५९ ॥ श्रीद्वदने वाद
उयंत्रनागवेत्तिजापानावसि
रिजेतोवराहोवसाना





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com